राजस्थान दविस 2024

चर्चा में क्यों?

राजस्थान दविस प्रतविर्ष 30 मार्च को राज्य के स्थापना दविस को मनाने के लयि मनाया जाता है, जसि दनि यह आधकिारकि तौर पर संघीय इकाई का हस्सिा बन गया।

मुख्य बदिु:

- **क्षेत्रफल की दृष्टि से यह सबसे बड़ा राज्य है।** राजस्थान का एक लंबा इतहिास है जो प्रागैतहािसकि काल से चला आ रहा है। इसकी संस्कृति सिंधु घाटी सभ्यता के समान थी, जो 3,000 और 1,000 ईसा पूर्व के बीच की थी।
  - 12वीं शताब्दी तक **चौहान** एक शाही शक्ति बन गए और 7वीं शताब्दी से राजपूत मामलों पर उनका प्रभुत्व रहा। चौहानों के बाद मेवाड़ गुहलिों ने युद्धरत जनजातयिों के भाग्य पर शासन कयिा।
- वर्तमान राजस्थान नम्निलखिति 7 चरणों में अस्तत्वि में आया:
  - **मत्स्य संघ:** भारत का वभिाजन बड़े पैमाने पर सांप्रदायकि आंदोलन द्वारा प्रकट हुआ जसिने राष्ट्र को अभभिूत कर दयिा।**भरतपुर और अलवर** भी इन दंगों से सुरक्षति नहीं रहे।
    - **17 मार्च 1948** को, भारत सरकार ने इन राज्यों की देखरेख अपने हाथ में ले ली क्योंकि शासक शांति बनाए रखने में वफिल रहे। इन राज्यों के पड़ोसी क्षेत्र **करौली और धौलपुर** थे। सरकार की सलाह पर, **सभी चार राज्य मत्स्य संघ बनाने के लयि एक साथ आने पर सहमत हुए।**
  - **राजस्थान संघ:** 25 मार्च 1948 को, दक्षणी एवं दक्षणि-पूर्वी राजपूताना के **कुशलगढ़, बांसवाड़ा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, टोंक, शाहपुरा, प्रतापगढ़, डूंगरपुर तथा कशिनगढ़ नामक** दस और राज्यों ने एक साथ मलिकर एक और संघ की संरचना की, जसिे पूर्वी राजस्थान का नाम दयिा गया।
  - **संयुक्त राज्य राजस्थान:** इसके बाद, **उदयपुर राज्य (मेवाड़) भी 18 अप्रैल 1948** को राजस्थान संघ में एकजुट हो गया। तब इसका नाम बदलकर संयुक्त राजस्थान कर दयिा गया। अतः राजस्थान के 15 राज्यों ने अपना-अपना संघ बनाया।
  - **ग्रेटर राजस्थान: 30 मार्च 1949** को चार राज्यों का गठन हुआ। जोधपुर, जयपुर, बीकानेर और जैसलमेर इस एकीकरण में शामलि हुए तथा इस क्षेत्र को ग्रेटर राजस्थान के रूप में जाना जाने लगा। इसमें नीमरा और लावा की रयिासतें भी शामलि हो गईं। 30 मार्च को अब राजस्थान दविस के रूप में मनाया जाता है।
  - **संयुक्त राज्य ग्रेटर राजस्थान:** 15 मई 1949 को, मत्स्य संघ को ग्रेटर राजस्थान में मलिा दयिा गया और उसके बाद इस परसिंघ को संयुक्त राज्य ग्रेटर राजस्थान का नाम दयिा गया।
  - **संयुक्त राजस्थान:** एकमात्र राज्य सरिोही अभी तक महासंघ में शामलि नहीं हुआ था। सरिोही राज्य 26 जनवरी 1950 को महासंघ में शामलि हुआ।
  - **पुनर्गठति राजस्थान:** अजमेर-मेरवाड़ा क्षेत्र लंबे समय तक ब्रटिशि शासन के अधीन था और राज्य पुनर्गठन आयोग के बयान के प्रस्ताव पर **1 नवंबर 1956** को इसे राजस्थान में मलिा दयिा गया। उस समय मध्य प्रदेश की भानपुरा तहसील और गुजरात की आबू तहसील को भी राजस्थान में मलिा दयिा गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-diwas-2024